हरिभूमि

रायपुर
सोमवार, 12 फरवरी 2018

इंग्लिश में पीएचडी करने एक भी छात्र पात्र नहीं, हिंदी का भी बुरा हाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने इंग्लिश विषय में पीएचडी करने सभी छात्रों को अयोग्य करार दिया है। रविवि द्वारा इंग्लिश विषय में पीएचडी के लिए आयोजित की गई प्रवेश परीक्षा में एक भी छात्र उत्तीर्ण नहीं हो सका है। सारे छात्रों के फेल होने के कारण इस वर्ष कोई भी छात्र इंग्लिश विषय में पीएचडी नहीं कर सकेगा।

इंग्लिश में पीएचडी के लिए कुल 59 छात्रों ने आवेदन किया था, इनमें से 50 छात्रों ने प्रवेश परीक्षा दी। उत्तीर्ण एक भी छात्र नहीं हो सका। पीएचडी एंट्रेस क्लीयर करने के लिए 50 प्रतिशत अंक लाने अनिवार्य थे, लेकिन कैंडिडेट्स इतने

फिजिकल एजुकेशन और कंप्यूटर साइंस के भी नतीजे शून्य

थे, जबकि परीक्षा में केवल 70 छात्र ही बैठे। इनमें से भी केवल 9 छात्र ही उत्तीर्ण हो सके। साइकोलॉजी ही एकमात्र ऐसा विषय रहा है, जिसका परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। इसमें शामिल होने ▶▶शेष पेज 19 पर

इन विषयों में भी एक भी छात्र पात्र नहीं

इंग्लिश के अतिरिक्त कई अन्य विषय भी ऐसे रहे, जिनमें एक भी छात्र उत्तीर्ण नहीं हो सके। इसमें कंप्यूटर साइंस और फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट शामिल है। कंप्यूटर साइंस के लिए 14 छात्रों ने आवेदन किया था, लेकिन कोई प्रवेश परीक्षा में सफल नहीं हो सका। फिजिकल एजुकेशल डिपार्टमेंट की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 5 छात्र शामिल हुए। इसमें भी सभी असफल रहे। सीटें होने के बाद भी छात्रों के योग्य न होने के कारण इन विभागों में इस वर्ष पीएचडी नहीं हो सकेगी। समाजशास्त्र और कॉमर्स में भी उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों का प्रतिशत काफी कम रहा।

कॉमर्स ▶▶शेष पेज 19 पर

इंग्लिश में पीएचडी करने ...

वाले सभी छात्र पीएचडी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने कामयाब रहे। यूजीसी के नियमों में बदलाव के बाद इस साल पीएचडी प्रवेश परीक्षा पहले ही देर से हुई है। इसके बाद खराब परिणामों ने भी सभी को चौंका दिया है।

स्तरीय परीक्षाः पीएचडी की प्रवेश परीक्षा स्तरीय होती है। प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले छात्र तय मानकों के अनुसार नहीं होंगे। खराब परिणामों की यह वजह हो सकती है।

– **प्रो. राजीव चौधरी,** अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, रविवि

इन विषयों में भी एक ...

संकाय के अंतर्गत 81 छात्रों ने आवेदन किए थे, जबकि पीएचडी की पात्रता केवल 30 छात्र ही हासिल कर सके। समाजशास्त्र में 22 में से 5 और मैनेजमेंट में 31 में से एक कैंडिडेट ही सफल हो सका।

हरिभूमि

रायपुर
सोमवार, 12 फरवरी 2018

दुर्ग विवि के छात्रों को पीएचडी की उपाधि देगा रविवि

रायपुर। ऐसे छात्र जो 2017 में अपना कोर्स वर्क पूरा कर चुके हैं और जिनके शोध निर्देशक अथवा शोध केंद्र दुर्ग विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में हैं, उनकी शोध रूपरेखा पंजीयन के लिए दुर्ग विश्वविद्यालय के स्थान पर रविवि की शोध उपाधि समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। इन छात्रों का पंजीयन भी रविवि में किया जाएगा। गत दिनों हुई रविवि की विद्यापरिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया है। दरअसल जिन छात्रों की पीएचडी का पंजीयन रविवि में ही करने का फैसला किया गया है, वे ऐसे शोधार्थी हैं, जिन्होंने शोध रविवि से दुर्ग विवि के अलग होने के पूर्व ही रविवि के अंतर्गत पीएचडी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी थी। पीएचडी छात्रों को कोई दिक्कत न हो अथवा अन्य किसी मामले में असमंज की स्थिति न बने, इसलिए यह फैसला किया गया है। यूजीसी द्वारा पीएचडी के संबंध में नए नियम जारी किए गए थे। सभी विश्वविद्यालयों को इसके आधार पर ही पीएचडी संचालित करने निर्देश दिए गए थे। अध्यादेश में बदलाव के बाद विद्यापरिषद द्वारा नए नियम लागू कर दिए गए हैं। संशोधन के पूर्व पंजीकृत होने वाले पीएचडी छात्र पुराने नियमों के आधार पर ही शोध कार्य करेंगे।